भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2040
शुक्रवार, 12 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

जलवायु परिवर्तन संबंधी अनुसंधान केंद्र

2040. श्री जामयांग शेरिंग नामग्याल:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विभिन्न पृथ्वी विज्ञान मुद्दो को संबंधित करने के लिए हिमालय के ठंडे रेगिस्तान को केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के भीतर जलवायु परिवर्तन सम्बन्धित जानकारी के लिए एक समर्पित अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ख) क्या मंत्रालय का छात्रों और आम जनता के बीच 'पृथ्वी संबंधी विज्ञान' के बारे में जागरूकता को बढ़ाया देने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे है;

(घ) क्या मंत्रालय ने पृथ्वी वैज्ञानिकों के व्यापक समुदाय के बीच शोध और विचारों के तेजी से आदान-प्रदान के लिए कोई कार्यक्रम चलाया/ शुरू किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितनी निधि आवंटित की गई है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) भारत मौसम विज्ञान विभाग ने लद्दाख क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लेह में मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित किया है।

यह केंद्र इस क्षेत्र की मौसम पूर्वानुमान और जलवायु सेवाओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करेगा। संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख में अलग से जलवायु केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

इसके साथ ही, क्षेत्र की मौसम निगरानी का संवर्धन करने के लिए लद्दाख में और अधिक स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित करने की कार्रवाई चल रही है।

(ख) जी, हां।

(ग) मंत्रालय प्रदर्शनियों/मेलों के माध्यम से छात्रों/जनता और आम प्रयोक्ता/समुदायों में पृथ्वी विज्ञान की गतिविधियों के बारे में जागरूकता लाने और प्रसार करने का समर्थन करता है। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्रों की भागीदारी के साथ "पृथ्वी दिवस" और "ओजोन दिवस" आयोजित किए जाते हैं। मंत्रालय प्रतिवर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड का भी समर्थन करता है।

(घ) वर्तमान में, मंत्रालय द्वारा पृथ्वी विज्ञानिकों के व्यापक समुदायों के बीच शोधों और विचारों के शीघ्र आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का समर्थन किया जाता है।

(ङ) सरकार ने आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम के लिए वर्ष 2017-2020 की अवधि के लिए कुल 25.23 करोड़ रुपए की निधियों का अनुमोदन किया है जिसमें उक्त गतिविधियों के लिए निधियां शामिल हैं।

*****